

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव,
अपर सचिव, सूचना
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

महानिदेशक
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग,
उत्तरांचल, देहरादून ।

सूचना अनुभाग

देहरादून, दिनांक 03 अगस्त 2004

विषय:- वित्तीय वर्ष 2003-04 के आय-व्ययक संख्या-14 के लेखाशीर्षक-2220-सूचना के लिए धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तरांचल के लिए चालू वित्तीय वर्ष 2003-04 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-14 के अंतर्गत लेखाशीर्षक -2220-सूचना तथा प्रचार-60-अन्य के लिए शासनादेश, संख्या 67/सू०लो०स०/44/2003 दिनांक 19 जुलाई 2003 तथा सं०लो०स०/44/2003-06-सूचना/2001 दिनांक 15 अक्टूबर 2003 के द्वारा जारी स्वीकृतियों के अतिरिक्त प्रथम अनुपूरक अनुदान के रूप में स्वीकृत धनराशि में से आयोजनागत पक्ष में 500 हजार (रु० पांच लाख मात्र) तथा आयोजनेतर पक्ष में रु० 2550 हजार (पच्चीस लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि निम्नांकित उप लेखाशीर्षक एवं विभिन्न मानक मदों के सम्मुख अंकित धनराशि के अनुसार आवंटित किये जाने तथा आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृत प्रदान करते हैं ।

लेखाशीर्षक/उपलेखा शीर्षक	मानक मद	धनराशि (हजार रु० में)	
		आयोजनागत	आयोजनेतर
2220-सूचना तथा प्रचार 60-अन्य-आयोजनेतर 001-निदेशक तथा प्रशासन 03-अधिष्ठान व्यय	14-कार्यालय प्रयोगार्थ स्टाफ कारों/मोटर गाड़ियों का क्रय	-	800
	17-किराया उपशुल्क और कर स्वाभित्त	-	350
60-अन्य आयोजनागत 101-विज्ञापन तथा दृश्य प्रचार 03-गीत एवं नाट्य योजना-00-	08-कार्यालय व्यय	500	-
60-आयोजनेतर 106-क्षेत्र प्रचार 03-अधिष्ठान-00-	14-कार्यालय प्रयोगार्थ स्टाफ कारों/मोटर गाड़ियों का क्रय	-	1400
	योग:	500	2550

2-उपरोक्त आवंटित धनराशि का उपयोग केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही किया जायेगा तथा किसी भी दशा में नई मदों पर तथा अन्य प्रयोजन पर नहीं किया जायेगा ।

3-मुझे यह भी कहना है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय करने का अधिकार नहीं देता है जिसे व्यय करने के लिए वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व रक्षक अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है, ऐसा व्यय संबंधित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए । व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है ।

4- वाहनों का क्रय तभी किया जायेगा जब जिन अधिकारियों (सूचना विभाग के कर्मियों) के लिये यह वाहन स्वीकृत किया जा रहा है उनकी तैनाती हो गयी हो। वाहन का कुल डी0जी0एफ0 एण्ड डी0 के दरों पर व्यापार कर की छूट के उपयोग हेतु फार्म डी0 निस्पादित करके वाहन क्रय किये जायेगा। वाहन की लागत में केवल डी0जी0एस0एण्ड जी0 के दर देय होगी। वाहन के क्रय के उपरान्त यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो वह शासन को समर्पित कर दी जायेगी। मुख्यालय का वाहन अधिशासी निदेशक एवं नई दिल्ली के सूचना केन्द्र हेतु स्वीकृत किया जा रहा है अतः उक्त वाहन इनके द्वारा ही उपयोग किये जायेगे यदि ये पद धारक अन्य विभाग के अथवा अन्य अधिकारी के वाहनों का उपयोग कर रहे हैं तो वाहन के आपूर्ति के पश्चात उक्त वाहन सम्बन्धित विभाग / अधिकारी को वापस कर दिया जायेगा।

5- किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार क्रय प्रक्रिया (स्टोर, परचेज रूल्स), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारियों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश, आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

6- यह उल्लेखनीय है कि शासन के व्यय में मितव्ययिता नितांत आवश्यक है अतः व्यय करते समय मितव्ययिता के संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

7- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2003-04 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-14 के लेखाशीर्षक-2220-सूचना तथा प्रचार के आयोजनागत/ आयोजनेतर के अंतर्गत प्रसार-1 में उल्लिखित लेखाशीर्षक के सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नाम में डाला जायेगा।

8- विभाग में उपरोक्तानुसार जारी स्वीकृतियों का रजिस्टर रखा जाय एवं व्यय संबंधी पूर्व माह की सूचना बी0एम0-13 पर नियमित रूप से वित्त विभाग को प्रतिमाह विलम्बतम 20 तारीख तक उपलब्ध करायी जाय।

9- यह आदेश वित्त विभाग की सहमति से आदेश संख्या 2613 दिनांक 3-2-04 के अन्तर्गत जारी किय जा रहे हैं।

भवदीय

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव

संख्या (1)/सू0लो0सं0/ /2003 तददिनांकित।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1-महालेखाकार, उत्तरांचल सत्यनिष्ठा भवन, इलाहाबाद।

2-निजी सचिव माननीय मुख्यमंत्री जी।

3-श्री एल0एम0 पन्त अपर सचिव वित्त विभाग।

4-वरिष्ठ कोषाधिकारी/ समस्त कोषाधिकारी, उत्तरांचल।

5-निदेशक एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर देहरादून।

6- गार्ड फाईल,

आज्ञा से

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव